दिग्गज कंपनियां निवेश को इच्छुक

क्लाइमेट एआई, टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग्स तथा डेलॉइट ने यूपी में निवेश को दिखाई दिलचस्पी

लखनऊ। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के तीसरे दिन उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने कार्ल्सबर्ग ग्रुप के सीईओ-जैकब आरूप एंडरसन और बडवाइजर के सीईओ मिशेल डोकरिस को यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। ये दोनों बहुराष्ट्रीय कंपनियां ब्रेवरी क्षेत्र में कार्यरत हैं, भारत में भी इन कंपनियों की मौजूदगी है। अपर मुख्य सचिव और अवस्थापना व औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने कैप जेमिनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी निवेदिता कृष्णमूर्ति भगत और वेबवर्क्स के सीईओ निखिल राठी से भी मुलाकात कर प्रदेश में निवेश की क्षमता पर बात की।

उत्तर प्रदेश पवेलियन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर आयोजित कार्यक्रम में पेप्सिको फाउंडेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष स्टीफन केहो, यारा इंटरनेशनल की कार्यकारी उपाध्यक्ष फर्नांडा लोप्स लार्सन और बायर क्रॉप साइंसेस के वैश्विक निदेशक गेब्रियला ब्यूरियन ने भी निवेश संभावनाओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने लुलु समूह के अध्यक्ष युसफ अली से ग्रेटर नोएडा में जल्द शुरु होने वाले फूड पार्क, प्रयागराज व अयोध्या में विकसित किए जा रहे लुलु हाइपरमार्केट व मॉल के बारे में बात की। टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग्स के चेयरमैन संजीव आहूजा ने यूपी में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन तथा डाटा सेंटर स्थापित करने की इच्छा जताई। क्लाइमेट एआई ने भी प्रदेश में निवेश की अपनी इच्छा व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल की डेलॉइट इंडिया के सीईओ रोमल शेट्टी के साथ भी बैठक हुई, जिन्होंने दो माह में लगभग 2000 कर्मचारियों की क्षमता वाला एक कार्यालय नोएडा में खोलने की घोषणा की है। कंपनी लखनऊ में भी अपना एक कार्यालय स्थापित करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'उत्तर प्रदेश में महिलाओं की वित्तीय साक्षरता' पर भी एक आयोजन किया, जिसमें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी समेत कई ने हिस्सा लिया। ब्यूरो